

आज

बेबाक

राष्ट्र में सबसे विचित्र सियासी संकट महाराष्ट्र में खड़ा हुआ है। बहुत लंबा नाटक चला और इसका पटाक्षेप अविश्वसनीय और अकल्पनीय रहा। जो सोया बो खोया, जो जागा वो पाया वाली कहावत को चरितार्थ करते हुए देवेन्द्र फडणवीस ने अचानक सीएम पद की शपथ ले ली। शरद पवार के भतीजे अजीत पवार डिप्टी सीएम बन गए। जो घड़ी दो विपरीत ध्रुव को जोड़ने चली थी वह खुद ही टूट गई। बहरहाल पिकचर अभी बाकी है। देखना दिलचस्प होगा कि मोहब्बत और अदावत की तरह सियासत में भी सब कुछ जायज होने की वकालत करने वाले नेता हमाम में और कितने नो होते हैं?

खास खबर

पिंक बॉल से सेंचुरी लगाने वाले पहले भारतीय बने कोहली

कोलकाता ए। भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान विराट कोहली के बल्ले का हल्ला जारी रहा। शनिवार को कोलकाता में बांग्लादेश के खिलाफ सीरीज के दूसरे टेस्ट में शानदार शतक लगाया। यह टेस्ट क्रिकेट में कोहली का 27वां शतक था। ऐतिहासिक इंडन गार्ड्स मैदान पर कोहली ने एक और कारनामा किया। कप्तान के रूप में यह उनका 20वां शतक था। उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई दिग्गज रिकी पॉटिंग को पीछे छोड़ा जिन्होंने कप्तान के रूप में 19 शतक लगाए थे। वि. खेल पेज पर

आधार का नया मोबाइल ऐप, बढ़ गए फीचर्स

नई दिल्ली ए। आधार संबंधी डेटेल को डाउनलोड करने के लिए यूआईडीएआई ने एक नया मोबाइल ऐप लॉन्च किया है। इस ऐप को यूआईडीएआई के डेटाबेस में रजिस्टर्ड मोबाइल नंबर पर गूगल प्ले ऐप स्टोर पर डाउनलोड किया जा सकता है। इस ऐप में कार्डधारक का आधार नंबर, नाम, जन्म तिथि, जेंडर, अड्रेस तथा फोटोग्राफ संबंधित डेटा होते हैं। यूआईडीएआई ने ट्वीट किया, 'अपने मोबाइल फोन में पहले से डाउनलोड एमआधार के पुराने वर्जंस को अन इंस्टॉल कीजिए। नए एमआधार ऐप को डाउनलोड कर इंस्टॉल करें। एमआधार को आप अपने ऐंड्रॉयड या आईफोन पर इंस्टॉल कर सकते हैं।

26/11 के 'बहादुर' की रिंग के दौरान मौत

मुंबई। मुंबई पुलिस के इन्स्पेक्टर नितिन काकड़े ने 26/11 हमले के दौरान महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी। गुरुवार को हार्ट अटैक के चलते उनकी मौत हो गई। बताया गया कि वह जनवरी 2020 में होने वाली मुंबई मैराथन की तैयार कर रहे थे।



उलझी रहीं शिवसेना, एनसीपी, कांग्रेस, भाजपा फिर सत्तासीन

मुंबई, नई दिल्ली ए। विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के एक माह बाद महाराष्ट्र की राजनीति में शनिवार को बड़ा उलटफेर देखने को मिला। सरकार बनाने को लगभग तैयार हो चुकीं शिवसेना, एनसीपी व कांग्रेस को भाजपा ने पीछे छोड़ दिया। ये तीनों दल बैठकों में उलझे रहे और भाजपा ने अजित पवार को अपने पाले में लेकर एनसीपी के एक धड़े के साथ सरकार बना ली। राजभवन में सुबह 8 से 8:30 बजे के बीच देवेन्द्र फडणवीस ने एक बार फिर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री पद की शपथ ली। वहीं राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने अजित पवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलायी। शेष पृष्ठ 7 पर

सुप्रीम कोर्ट पहुंची शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी

महाराष्ट्र में सरकार गठन पर मया झूमा अब सुप्रीम कोर्ट जा पहुंचा है। फडणवीस के सीएम व और अजित पवार के डिप्टी सीएम पद की शपथ लेने के बाद अब शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी इसके खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंच गए हैं। तीनों दलों ने गवर्नर की ओर से बीजेपी और अजित पवार शेष पृष्ठ 7 पर

एनसीपी के एक धड़े को साथ लेकर महाराष्ट्र में भाजपा ने बनाई सरकार



सुबह 8-8:30 बजे के बीच राजभवन में हुआ शपथ ग्रहण

शरद पवार बोले- अजित के फैसले से लेना-देना नहीं

स्पष्ट नहीं किसके पास कितने विधायक

शपथ ग्रहण के बावजूद सरकार के समीकरणों के बारे में अब तक कोई स्पष्टता नहीं है। अजित पवार को कितने विधायकों का समर्थन हासिल है और बहुमत के लिए बाकी विधायक कहाँ से आएंगे, इस बारे में कोई खुलासा नहीं किया गया है। खबर लिखे जाने तक शरद पवार खेमे के विधायकों के बारे में भी पुष्ट जानकारी सामने नहीं आ सकी।

30 नवंबर तक बहुमत सिद्ध करना होगा : पवार

महाराष्ट्र के राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी ने देवेन्द्र फडणवीस सरकार को 30 नवंबर तक सदन में बहुमत सिद्ध करने का समय दिया है। एनसीपी चीफ शरद पवार ने शनिवार को संवाददाताओं को इसकी जानकारी दी। उन्होंने दावा किया कि फडणवीस सरकार के पास बहुमत सिद्ध करने के लिए विधायकों की पर्याप्त संख्या नहीं है, वे बहुमत सिद्ध नहीं कर पाएंगे। पवार ने दावा किया कि बहुमत का आंकड़ा उनके पास है। उन्होंने यह भी कहा कि शेष पृष्ठ 7 पर

'सर्जिकल स्ट्राइक' हुआ है महाराष्ट्र में: उद्धव

सरकार बनाने में विफल रही शिवसेना के प्रमुख उद्धव ठाकरे ने कहा है कि यह छत्रपति शिवाजी महाराज की धरती पर 'सर्जिकल स्ट्राइक' है और राज्य की जनता इसका करारा जवाब देगी। ठाकरे ने राकांपा नेता शरद पवार के साथ शनिवार को यहां संयुक्त संवाददाता सम्मेलन में कहा कि राज्य में यह शेष पृष्ठ 7 पर

सड़क पर उतर ताकत दिखाएं शिवसेना, कांग्रेस और एनसीपी: दिग्विजय सिंह

अप्रत्याशित राजनीतिक घटनाक्रम में देवेन्द्र फडणवीस को मुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाए जाने को कांग्रेस ने जनादेश के साथ विश्वासघात बताया है। कांग्रेस नेताओं ने इसे लेकर बीजेपी पर तीखा हमला बोला है। इस बीच कांग्रेस के दिग्गज नेता दिग्विजय सिंह ने खुद की पार्टी, शिवसेना और एनसीपी से सड़क पर उतरकर अपनी ताकत दिखाने की अपील की है। एक टवीट में दिग्विजय सिंह ने लिखा, शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस को अपनी ताकत जमीन पर दिखा कर सड़क पर उतरना चाहिए।

संविधान अंगीकरण दिवस की 70 वीं वर्षगांठ के अवसर पर सभी विश्वविद्यालयों में मनाया जाएगा संविधान दिवस : राज्यपाल

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। राज्यपाल श्री लालजी टंडन ने प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों को संविधान अंगीकरण दिवस की 70 वीं वर्षगांठ के अवसर पर 26 नवम्बर को संविधान दिवस कार्यक्रम आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि संविधान के अध्याय 4-ए अनुच्छेद 51ए के संबंध में व्यापक जन-जागृति अभियान चलाया जाए। राज्यपाल ने कहा कि अभियान 26 नवम्बर से शुरू कर बाबा साहब अंबेडकर के जन्म दिवस 14 अप्रैल 2020 तक संचालित होगा। इस दौरान विभिन्न रचनात्मक गतिविधियों का संचालन किया जाएगा। राज्यपाल ने बताया कि राजभवन में 26 नवम्बर को संविधान दिवस के अवसर पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। मध्यप्रदेश उच्च न्यायालय के मुख्य न्यायाधीश, सभी खंडपीठ के न्यायाधीशों सहित सम्मस्त जिला एवं सत्र न्यायाधीश भी कार्यक्रम में शामिल होंगे। राज्यपाल श्री टंडन ने निर्देश दिए हैं कि 26 नवम्बर 2019 से



14 अप्रैल 2020 के मध्य विद्यार्थियों में आपसी भाईचारे की भावना को मजबूत बनाने, क्षेत्रीय भाषायी विविधताओं के प्रति पारस्परिक सम्मान, राष्ट्रीय अखंडता की प्रातिबद्धता, महिलाओं की गरिमा, सांस्कृतिक विरासत संरक्षण और वैज्ञानिक सोच विकसित करने के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। राजभवन से विश्वविद्यालयों को जारी परिपत्र में कहा गया है कि नागरिकों को उनके मूल कर्तव्यों के प्रति जागरूक बनाने के लिए जागृति यात्राओं और दौड़ आदि के कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। ब्रोशर और पत्तों के माध्यम से संविधान की प्रस्तावना, मूल

कर्तव्यों आदि की जानकारी प्रचारित-प्रसारित की जाए। निबंध, चित्रकला, नाटक, क्रिज, वाद-विवाद प्रतियोगिताएं आयोजित की जाएं। विश्वविद्यालय स्तर पर समूह चर्चा, संगोष्ठी आदि कार्यक्रम आयोजित किए जाएं। इस दौरान कार्यक्रम में विधि विशेषज्ञों का व्याख्यान सत्र भी आयोजित किया जाए। राष्ट्रीय सेवा योजना इकाई द्वारा विधि सेवा शिविर लगाए जाएं। परिपत्र में युवाओं के लिये अध्ययन यात्राएं आयोजित करने के निर्देश भी दिए गए हैं। कहा गया है कि विद्यार्थियों को बाबा साहब बी.आर. अंबेडकर की जन्म स्थली का अवलोकन भी कराया जाए।

जनवरी-मार्च में शहरी बेरोजगारी दर घटी: रिपोर्ट

नई दिल्ली ए। रोजगार के मोर्चे पर घिरी सरकार के लिए राहत भरी खबर आई है। जनवरी और मार्च के बीच शहरी बेरोजगारी दर में गिरावट आई है। रॉयटर्स ने अब तक पब्लिश नहीं हुई सरकारी रिपोर्ट के हवाले से कहा है कि जनवरी-मार्च के बीच में शहरी बेरोजगारी दर गिरकर 9.3 फीसदी पर पहुंच गई है। शहरी बेरोजगारी दर अक्टूबर-दिसंबर (2018) तिमाही में करीब 9.9 फीसदी थी। रॉयटर्स के मुताबिक, यह सरकारी रिपोर्ट बहुत जल्द प्रकाशित होने वाली है। हालांकि इसमें ग्रामीण बेरोजगारी दर को लेकर किसी तरह की जानकारी नहीं है। यह रिपोर्ट 'करंट विकली स्टेटस' को आधार मानकर तैयार की गई है। इस नियम के तहत एक रजिस्ट्री उस सप्ताह में बेरोजगार माना जाता है, जिस सप्ताह में वह एक घंटे के लिए भी काम नहीं करता है या काम नहीं मिलता है।

दिल्ली : अनाधिकृत बस्तियों में जमीन की रजिस्ट्री होगी जल्द

नयी दिल्ली । केंद्रीय आवास एवं शहरी कार्यमंत्री हरदीप सिंह पुरी ने शनिवार को कहा कि दिल्ली में भूखंडों की रजिस्ट्री की प्रक्रिया दिसंबर के अंत तक शुरू कर दी जाएगी।

श्री पुरी ने यहां अपने कार्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन में बताया कि केंद्र सरकार ने दिल्ली की 1797 अनधिकृत बस्तियों में रहने वाले लोगों के भूखंडों को मालिकाना अधिकार देने का फैसला किया है। इससे संबंधित विधेयक संसद के इसी सत्र में पेश कर दिया जाएगा। संबंधित विधेयक को मंत्रिमंडल की मंजूरी मिल गयी है और इसे संसद में पेश करने की प्रक्रिया शुरू कर दी गयी है।

केंद्रीय मंत्री ने अनधिकृत बस्तियों की भू-स्थिति से संबंधित एक पोर्टल का लोकार्पण करते हुए कहा कि शेष पृष्ठ 7 पर

प्रसंगवश

उसूलों के व्रतियों पर भारी पड़ी सत्ता की भूख

यशवंत धोंटे

महाराष्ट्र की राजनीति में शनिवार को हुए घटनाक्रम से देश के राजनीति शास्त्र में एक अध्याय लिख गया। शिवसेना, एनसीपी व कांग्रेस की बैठकों के बीच भाजपा के देवेन्द्र फडणवीस ने एनसीपी के अजित पवार को अपने पाले में लेकर पुनः मुख्यमंत्री की शपथ ले ली। राज्यपाल को एनसीपी के 54 विधायकों के समर्थन की चिट्ठी सौंपकर भाजपा ने एक तरह से पुनः सरकार स्थापित कर ली। एनसीपी चीफ शरद पवार के भतीजे अजित को अब तक कही जा रही इस बगावत के बदले में उपमुख्यमंत्री पद मिला। ये वही अजित पवार हैं, जिन पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अमित शाह से लेकर खुद प्रधानमंत्री मोदी भ्रष्टाचार के आरोप लगाते आ रहे हैं। प्रधानमंत्री मोदी तो लोकसभा व विधानसभा चुनावों के दौरान पूरे महाराष्ट्र में शरद पवार व अजित पवार पर निशाना साधने से नहीं चूके। वर्ष 2014 में मोदी ने एनसीपी को नेचुरली करप्ट पार्टी करार दिया था। जबकि इस वर्ष संपन्न महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव में मोदी ने इन दोनों नेताओं के गढ़ बारामती में ही चाचा-भतीजे की जोड़ी पर गाना गाकर इन पर करारा हमला बोला था। महाराष्ट्र के पूर्व भाजपा अध्यक्ष रावसाहेब दानवे ने तो यहां तक कह दिया था कि विदर्भ में हुए सिंचाई घोटाले को लेकर अजित पवार का जेल जाना तय है। वे जल्द ही जेल जाएंगे। यह घोटाला उस समय का है जब अजित पवार कांग्रेस-एनसीपी की आघाड़ी सरकार में जलससाधन मंत्री थे। 27 नवंबर 2018 में इस घोटाले के संबंध में महाराष्ट्र एसबी द्वारा बॉम्बे हाईकोर्ट में दायर शपथ पत्र में कहा गया है कि इस घोटाले के लिए अजित पवार जिम्मेदार हैं। वहीं महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव की घोषणा के बाद अजित पवार पर एक अन्य घोटाले का भी प्रकरण दर्ज हो गया। इस बार उनके साथ शरद पवार पर भी प्रकरण दर्ज किया गया। इंडी ने महाराष्ट्र स्टेट कोऑपरेटिव घोटाला मामले में दोनों नेताओं समेत कुल 70 लोगों पर मनी लॉन्ड्रिंग का केस दर्ज शेष पृष्ठ 7 पर

एंटी नक्सल ऑपरेशंस में फोर्स को मिली कामयाबी मुठभेड़ में 3 नक्सली ढेर, हथियार भी बरामद

नवप्रदेश संवाददाता

सुकमा। नक्सल आपरेशंस में जवानों को बड़ी कामयाबी मिली है। अलग-अलग मुठभेड़ में जवानों ने तीन नक्सलियों को ढेर करने का दावा किया है। ये मुठभेड़ आज दो अलग-अलग जगहों पर हुई है। सुकमा एसपी शलभ सिन्हा के मुताबिक शनिवार सुबह सात बजे मुठभेड़ के बाद सर्चिंग के दौरान एक नक्सली का शव मिला था। मारा गया नक्सली प्लाटून नंबर 30 का सदस्य है। डीआरजी के जवानों को ये कामयाबी गौरीसरा इलाके में मिली है। मोरे गये नक्सली का नाम केसा बताया जा रहा है।

शनिवार शाम करीब 5 बजे एक और नक्सली मुठभेड़ हुई, जिसमें दो नक्सलियों को ढेर कर दिया गया। दोनों माओवादी वर्दीधारी भी और उनके पास से काफी हथियार भी मिला है। इन नक्सलियों का शव बुरकापाल के मिनपा एरिया में मिला है।

बिहार: बदमाशों ने कंपनी से लूटा 55 किलो सोना

पटना ए। बिहार के शहर हाजीपुर में शनिवार को बेखोफ बदमाशों ने एक निजी फाइनैस कंपनी की शाखा में घुसकर करीब 20 करोड़ रुपये कीमत का सोना लूटा है। लूट की यह वारदात हाजीपुर के नगर थाना क्षेत्र में हुई है। घटना के बाद पुलिस और जिले के तमाम वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचकर मामले की जांच कर रहे हैं।

वैशाली जिले के पुलिस अधीक्षक एमके चौधरी के अनुसार, शनिवार दोपहर 6-7 हथियारबंद बदमाश हाजीपुर के नगर थाना इलाके में स्थित एक निजी फाइनैस कंपनी के ऑफिस में घुसे थे। बदमाशों ने हथियार के बल पर करीब 55 किग्रा सोना लूट लिया और फरार हो गए। एसपी ने बताया कि वारदात दोपहर करीब साढ़े बजे हुई। सूचना मिलने के बाद तत्काल पुलिस बल को मौके पर भेजा गया।

मेक इन इंडिया भारतीय कंपनियां देश में ही इन हेलिकॉप्टरों का निर्माण करेंगी

111 यूटिलिटी हेलिकॉप्टर सौदे को जल्द मिल सकती है मंजूरी

रणनीतिक साझेदारी मॉडल के तहत नरेंद्र मोदी सरकार के पहले रक्षा सौदे की प्रक्रिया अपने अंतिम चरण में है। इस मॉडल के तहत नौसेना के लिए 111 नेवल यूटिलिटी हेलीकाप्टर तैयार किए जाने हैं। इन बहुउद्देश्यीय हेलीकाप्टरों के निर्माण के लिए जल्द ही निर्माताओं का चयन कर लिया जाएगा।

नई दिल्ली ए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की अगुआई वाली डिफेंस एंकिजीशन कार्डसिल भारतीय और विदेशी फर्मों के चयन के बाद अगले हफ्ते इस सौदे के रिक्रेस्ट ऑफ प्रपोजल को अंतिम मंजूरी दे सकती है कि इन हेलिकॉप्टरों का निर्माण कौन करेगा। इस सौदे के तहत पीएम नरेंद्र मोदी की महत्वाकांक्षी परियोजना 'मेक इन इंडिया' के तहत चयनित भारतीय कंपनियां विदेशी कंपनियों के साथ मिलकर देश में ही इन हेलीकाप्टरों का



निर्माण करेंगी। नौसेना के सूत्रों ने इंडिया टुडे

नौसेना में चेतक हेलिकॉप्टर की जगह लेंगे

21000 करोड़ के इस सौदे में विदेशी उपकरण निर्माता कंपनियां रणनीतिक साझेदार के रूप में ट्रांसपेर ऑफ टेक्नोलॉजी में प्रमुख भूमिका अदा करेंगी। ये बहुउद्देश्यीय हेलिकॉप्टर नौसेना में पुराने चेतक हेलिकॉप्टर की जगह लेंगे और इनका इस्तेमाल खोज और बचाव अभियानों, समुद्री अभियानों, साजो-सामान को लाने-ले जाने और टारपीडो गिराने में किया

95 हेलिकॉप्टर भारत में बनेंगे

रणनीतिक साझेदारी मॉडल का उद्देश्य उन भारतीय निर्माताओं और विदेशी फर्मों के बीच सहयोग करना है जो प्रौद्योगिकी साझा करने और फिर भारतीय उत्पादन इकाइयां स्थापित के लिए तैयार हैं। योजना के तहत 111 हेलिकॉप्टर में से 16 विदेश तैयार करके भारत भेजे जाएंगे, जबकि बाकी 95 हेलिकॉप्टर भारत में बनाए जाएंगे। पिछले साल 28 अगस्त को हुई डिफेंस एंकिजीशन कार्डसिल की बैठक में इन हेलीकाप्टरों की खरीद को मंजूरी दी गई थी।

हेलिकॉप्टर प्रोजेक्ट के लिए निर्देशित ऑफ प्रपोजल जारी किया जाएगा। विदेशी शेष पृष्ठ 7 पर

महाराष्ट्र में बाजिपु-एन्सिपा की सरकार बनते ही कांग्रेस नेता अमिषेक मनु सिंघवी ने सबसे पहले प्रतिक्रिया दी। उन्होंने अपने आधिकारिक ट्विटर हैंडल से ट्वीट करते हुए कहा, 'महाराष्ट्र के बारे में पढ़कर हैरान हूँ। पहले लगा कि यह पूर्ण खबर है। निजी तौर पर बोल रहा हूँ कि तीनों पार्टियाँ तीन-तीन दिनों से ज्यादा नहीं चलनी चाहिए थी। यह बहुत लंबी चली।'

जजों की पीठ ने कहा
'अतिक्रमण को जायज ठहराना
मंदिर की प्रांपर्टी के साथ छेड़छाड़
जैसा है और इस तरह का कोई भी
कार्य जिसमें मंदिर की जरूरत के
अलावा उसमें किसी तरह का
तोड़फोड़ की जाए तो यह हिंसा
भावनाओं को बढ़ाकर जैसा
होगा।'

‘हाथ न मिलाएं, नमस्ते करें’ कैंपन शुरू, संक्रमण रोकने की कवायद

स्वाइन फ्लू की आहट से पहले हमीदिया अस्पताल प्रबंधन की पहल

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। राजधानी में बेकाबू हुए डेंगू के संक्रमण से सबक लेते हुए हमीदिया अस्पताल प्रबंधन ने ठंड के मौसम में स्वाइन फ्लू के संक्रमण की रोकथाम के लिए पहले से ही एहतियाती कदम उठाना शुरू कर दिए हैं। अस्पताल प्रबंधन शनिवार से ‘हाथ न मिलाएं, नमस्ते करें’ कैंपन शुरू किया। अभियान के तहत यहां आने वाले मरीज व उनके परिजनों को हाथ मिलाने के बजाय दोनों हाथ जोड़कर अभिवादन करने के लिए प्रेरित किया जाएगा। हाथ मिलाने से होने वाले संक्रमण के खतरे व हाथ जोड़कर नमस्ते करने के फायदे बताए जाएंगे। अस्पताल अधीक्षक डॉ. एके श्रीवास्तव का कहना है कि दिसंबर और जनवरी में स्वाइन फ्लू के मरीज मिलते हैं। इसके अलावा सर्दी



खांसी समेत अन्य संक्रमण भी फैलते हैं। हाथ मिलाने से संक्रमण तेजी से फैलता है। इसी को देखते हुए हमीदिया अस्पताल पहली बार इंफेक्शन फैलने से रोकने के लिए नमस्ते कैंपन शुरू कर रहा है। स्टाफ को

ट्रेनिंग देकर मरीज और उनके परिजनों को समझाइश देने के लिए तैयार किया जा रहा है। आयुष्मान मित्र को भी जिम्मेदारी ...अस्पताल प्रबंधन की मानें तो अस्पताल में हररोज आने वाले तीन हजार से ज्यादा

शहर में स्वाइन फ्लू की रिथति

वर्ष सदिग्ध पॉजिटिव मौत

2019	720	187	26
2018	254	35	03
2017	685	171	31
2016	591	82	12
2015	2200	752	78

मरीजों को उनके वार्ड में बिस्तर पर पहुंचकर समझाइश दी जाएगी। इसकी जिम्मेदारी 10 आयुष्मान मित्र और 10 सोशल वर्कर को दी गई है। इसके अलावा नर्सिंग स्टाफ और पैरामेडिकल स्टाफ भी इसके लिए प्रशिक्षित

बीमारियों से बचने के लिए बेहतर तरीका

आंख, नाक और गले समेत शरीर के तमाम इंफेक्शन खांसने, छींकने और दूसरे कारणों से हमारे हाथ तक पहुंचते हैं। हाथ मिलाने पर ये इंफेक्शन दूसरों तक पहुंच जाता है। ये एक चेन बन जाती है। ऐसे में हाथ मिलाने के बजाय नमस्ते करके अभिवादन करना बेहतर तरीका है।

डॉ. लोकेंद्र दवे, एचओडी, पल्मोनरी डिपार्टमेंट, हमीदिया

किया जाएगा। वर्कशॉप में आयोजित कर हाथ नहीं मिलाने के फायदे बताए जाएंगे, ताकि वे अस्पताल आने वाले हर व्यक्ति को इसके बारे में बता सकें।

रायपुर, भोपाल समेत सभी एम्स में मेडिकल की पढ़ाई और इलाज दोनों महंगे हो सकते हैं

भोपाल। दिल्ली और देश के छह अन्य एम्स में मेडिकल की पढ़ाई और इलाज कराना महंगा हो सकता है। केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय ने सेंट्रल इंस्टीट्यूट बॉडी (सीआईबी) को पत्र लिखकर एम्स में मेडिकल की पढ़ाई, जांच और इलाज की दरों की समीक्षा करने को कहा है। मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि सीआईबी से कहा गया है कि वह अपने तहत आने वाले सभी छह एम्स के सभी विभागों से 25 नवंबर तक इलाज और जांच की वर्तमान दरों की जानकारी मंगाए। साथ ही एम्स में एमबीबीएस और पीजी की ट्यूशन फीस, हॉस्टल और दूसरे चार्जज की भी जानकारी मांगे। दरअसल, मंत्रालय की इस कवायद का मकसद दिल्ली एम्स की ओर से तैयार किए गए फीस स्ट्रक्चर और

इलाज की दरों को देश के बाकी छह एम्स (भोपाल, रायपुर, जोधपुर, पटना, ऋषिकेश और भुवनेश्वर) में लागू करना है। 23 साल पहले हुई थी इलाज और जांच की दरों की समीक्षा अधिकारी ने बताया कि आखिरी बार इलाज और जांच दरों की समीक्षा 23 साल पहले यानी 1996 में की गई थी। उसके बाद से लगातार नई जांचें जरूर शुरू हुईं, पर उनकी दर अब तक यथावत बनी हुई है। दूसरी तरफ, मेडिकल फीस की बात करें तो उसकी समीक्षा करीब 50 साल पहले हुई थी। यानी एम्स की ट्यूशन फीस में तब से अब तक बदलाव नहीं किया गया है। साल 2017 में एम्स-प्रशासन द्वारा बनाई गई कमेटी ने अपनी रिपोर्ट में कहा था संस्थान को 500 रुपए तक की जांच और इलाज को मुफ्त कर देना चाहिए।

प्रमोशन में आरक्षण : सरकार बनाएगी अलग कमेटी, महाधिवक्ता रहेंगे शामिल

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। प्रदेश में बिना प्रमोशन के सेवानिवृत्त होने वाले कर्मचारियों व अधिकारियों की बढ़ती संख्या के कारण सरकार ने अब प्रमोशन में आरक्षण मुद्दे पर हल निकालने के लिए नया कदम उठाया है। सरकार ने अब जीएडी मंत्री डा. गोविंद सिंह की अध्यक्षता में एक अलग कमेटी बनाना तय किया है। इस कमेटी में विधि विभाग के प्रमुख सचिव और राज्य के महाधिवक्ता को भी शामिल किया जाएगा। यह कमेटी अपनी रिपोर्ट देगी कि प्रमोशन में आरक्षण को लेकर क्या फार्मूला अपनाना चाहिए, जिससे अटके प्रमोशन का रास्ता खुल सके। दरअसल, मार्च 2020 में थोकबंद कर्मचारियों की



सेवानिवृत्ति होना है। इस कारण सरकार ने कर्मचारियों के हित में इस ओर फोकस करना तय किया गा है। इसके चलते कमेटी को गठित करने का प्रस्ताव मुख्यमंत्री कमलनाथ को भेज दिया गया है। इस कमेटी में मंत्री, विधि पीएस को भी महाधिवक्ता के अलावा जीएडी के अपर मुख्य सचिव को रखना

भी तय किया गया है। कमेटी के लिए टाइम-लाइन भी तय होगी, ताकि निश्चित समयवधि में वह रिपोर्ट दे सके। दरअसल, इसके पूर्व विधानसभा अध्यक्ष एनपी प्रजापति ने एक कमेटी प्रमोशन में आरक्षण पर गठित करने का ऐलान किया था, लेकिन अभी तक उसका आदेश नहीं निकला है। उक्त कमेटी में

विधानसभा अध्यक्ष के अलावा मुख्यमंत्री कमलनाथ व जीएडी मंत्री गोविंद सिंह और कांग्रेस व भाजपा से चार-चार विधायक शामिल होना प्रस्तावित है। विधानसभा अध्यक्ष ने जुलाई के मानसून सत्र में इस कमेटी के गठन का ऐलान किया था। प्रमोशन में आरक्षण का पूरा मामला सुप्रीमकोर्ट में केस चलने के पेंच में उलझ गया है। सरकार ने इस मामले में पहले राज्य स्तर पर नियम बनाकर सर्शत प्रमोशन देने की तैयारी की थी, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। विधि विभाग से इस पर मंजूरी नहीं मिल सकी, जिसके कारण यह मामला अटक गया। इसके बाद तय नहीं हो सका कि इस मामले में क्या कदम उठाए जाए।

एनसीपी की हालत देख महाराष्ट्र में डरी कांग्रेस, मध्यप्रदेश में शिफ्ट किए जाएंगे 44 विधायक

राज्यपाल ने फ्लोर टेस्ट के लिए 30 नवंबर तक का समय दिया है।

भोपाल। महाराष्ट्र में मचे सियासी घमासान के बीच एक बड़ी खबर आई है। महाराष्ट्र कांग्रेस के सभी 44 विधायक मध्यप्रदेश में शिफ्ट किए जाएंगे। सूत्रों का कहना है कि मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री कमल नाथ को कांग्रेस विधायकों का इंतजाम करने का कहा गया है। जानकारी के अनुसार, आज शाम तक सभी विधायक भोपाल पहुंच सकते हैं। हालांकि अभी तक ये खुलासा नहीं हुआ है कि ये विधायक मध्यप्रदेश के किस शहर में रहेंगे। लेकिन ऐसा कहा जा रहा है कि ये विधायक राजधानी भोपाल या छिंदवाड़ा के किसी रिसार्ट पर ठहर

सकते हैं।

मध्यप्रदेश में शिफ्ट होंगे विधायक

कांग्रेस में फूट का डर है। जिसे देखते हुए महाराष्ट्र से सभी कांग्रेस विधायकों को मध्यप्रदेश में शिफ्ट करने की तैयारी की गई है। हालांकि शनिवार को मुंबई में मीडिया को संबोधित करते हुए कांग्रेस के वरिष्ठ नेता अहमद पटेल ने कहा था कि, कांग्रेस के विधायक एक जुट हैं और कांग्रेस में कोई फूट नहीं है। बता दें कि इससे पहले कांग्रेस ने अपने सभी विधायकों को राजस्थान में शिफ्ट किया था। अब महाराष्ट्र विधानसभा में फ्लोर टेस्ट होने तक कांग्रेस के विधायक मध्यप्रदेश में रहेंगे। राजस्थान और मध्यप्रदेश में कांग्रेस की सरकार है। लिहाजा कांग्रेस के लिए ये सुरक्षित स्थान हो सकता है।

सिंधिया ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को कहा– धन्यवाद, सियासत तेज

बता दें कि ज्योतिरादित्य सिंधिया को लेकर मध्यप्रदेश में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता ज्योतिरादित्य सिंधिया हाल ही में मध्यप्रदेश दौरे पर थे। इस दौरान उन्होंने मध्यप्रदेश की कमल नाथ सरकार पर हमला बोला था। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने इस बार प्रदेश में हो रहे ट्रांसफर को लेकर अपनी ही सरकार पर हमला बोला है। वहीं, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह की तारीफ करते हुए उन्हें धन्यवाद भी दिया था। बता दें कि ज्योतिरादित्य



सिंधिया को लेकर मध्यप्रदेश में कई तरह की अटकलें लगाई जा रही हैं।

किस कारण से की राजनाथ की तारीफ

ज्योतिरादित्य सिंधिया ने अपने ट्विटर पर एक लेटर पोस्ट किया है और इसके साथ ही उन्होंने राजनाथ सिंह को धन्यवाद भी दिया है। दरअसल, ज्योतिरादित्य सिंधिया ने

ट्ववीट करते हुए लिखा- ग्वालियर में विगत 15 वर्षों से हुरावली क्षेत्र की जर्जर सड़कों के कारण नागरिकों को बहुत दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा था। मैंने देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी को पत्र लिखकर रक्षा मंत्रालय से इस सड़क के निर्माण की अनुमति का अनुरोध किया था। मुझे खुशी है कि रक्षा मंत्रालय ने सड़क निर्माण की

अनुमति प्रदान कर दी है। ग्वालियर के नागरिकों और अपनी ओर से राजनाथ सिंह जी को धन्यवाद। कुरावली क्षेत्र के लोगों को अब जल्द ही इस जर्जर और खस्ताहाल सड़क से मुक्ति मिल सकेगी।

मध्यप्रदेश में सक्रिय हैं सिंधिया

ज्योतिरादित्य सिंधिया इन दिनों मध्यप्रदेश की सियासत में काफी सक्रिय हैं। वो लगातार मध्यप्रदेश के ग्वालियर, चंबल क्षेत्र का दौरा कर रहे हैं। इसके साथ ही ज्योतिरादित्य सिंधिया कमल नाथ सरकार पर कई बार हमला कर चुके हैं। वहीं, लगातार ग्वालियर और चंबल क्षेत्र की समस्याओं को लेकर कमल नाथ सरकार को भी लेटर लिख चुके हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने हाल ही में दतिया का दौरा किया था

कलह से तंग किशोरी ने कोर्ट से मदद मांगी; जज ने अपनी कुर्सी पर बैठाकर कहा- तुम आदेश दो

भोपाल। पिता के गुस्से और घर की रोज-रोज की कलह से परेशान 16 साल की बेटी ने जिला विधिक प्राधिकरण में शिकायत कर मदद मांगी। बेटी शुकुवार को स्कूल से सीधे प्राधिकरण पहुंची और यहां प्राधिकरण के सचिव और एक्टिंग जज आशुतोष मिश्रा से शिकायत कर अपनी पीड़ा बताई। कहा, मैं झगड़े के कारण डिप्रेशन में जा रही हूं। मेरी मदद करें। जज ने भी बेटी को

माता-पिता के झगड़े से परेशान बेटी ने जिला विधिक प्राधिकरण में सुनाया फैसला, जज की भी मूहर

स्कूल से छुट्टी के बाद माता-पिता की शिकायत करने प्राधिकरण पहुंची थी बेटी

बाद में जज ने बेटी के फैसले को आदेश के रूप में जारी किया। प्राधिकरण में हुई काउंसलिंग में मां ने बताया कि पति गुस्से में घर का सारा राशन उठाकर बाहर फेंक देते हैं और रखरखाव का खर्च भी कई बार नहीं देते। वहीं पिता ने भी स्वीकार किया कि गुस्से की वजह से नहीं समझ पाए कि परिवार सफर कर रहा है। उन्होंने बताया कि उन्हें भोपाल में अपने परिवार के अलावा गांव में बूढ़े माता-पिता को भी रुपया भेजना पड़ता है जिसकी वजह से वह तनाव में आकर कई बार सब पर खीज जाते हैं। मम्मी-पापा आप दोनों कभी नहीं झगड़ोगे। पापा आप हमारी स्कूल फीस नियमित भरोगे। बच्चों के साथ मारपीट नहीं करोगे। रोज-रोज खाने की थाली नहीं फेंकेगे। राशन समय पर घर लानकर दोगे। बच्चों की जरूरतों को समय पर पूरा करोगे। मां को खर्च के लिए कुछ रुपए भी दोगे। (जज की कुर्सी पर बैठी बेटी ने जैसा फैसला दिया...)

न्यूज गैलरी

निगम के जोन, बस सुन रहे जनता की शिकायत, नहीं हो रहा निराकरण



भोपाल। नगर निगम के जोन कार्यालय आमजनता की शिकायत सुनवाई तो कर रहे हैं, लेकिन उनका निराकरण नहीं हो पा रहा। दरअसल जनता से जुड़े तमाम कामों में सिर्फ संपत्तिकर मामले में ही जोन के पास अधिकार और अमला है, बाकी में सिर्फ शिकायत बढ़ाने वाला कार्यालय बना हुआ है। यही वजह है कि सफाई, अतिक्रमण, अवैध होर्डिंग पर कार्रवाई, योजना प्रकोष्ठ, पार्किंग के साथ इंजीनियरिंग, पानी समेत 12 कामों में वार्ड व जोन में लगातार शिकायतों के बावजूद उचित निराकरण नहीं हो पा रहा। दरअसल इन सभी कामों में निगम प्रशासन ने जोन को जोड़ तो रखा है, लेकिन कार्रवाई के अधिकार व अमला नहीं दिया। इन कामों के लिए जो अलग से शाखा बनाई गई है, वह इनके अधिन नहीं आती। यही वजह है कि जोन से बढ़ाई शिकायतों की सुनवाई नहीं करने पर भी कोई फर्क नहीं पड़ता। ऐसे में न अवैध पार्किंग पर लागू लग पा रही है और न ही अवैध होर्डिंग उतर पा रहे हैं। आमजन की पानी, सफाई, सीवेज से जुड़ी शिकायतें तक दूर नहीं हो पा रही है।

शाखाओं की ये हैं स्थिति

निगम में होर्डिंग की शाखा अलग है, लेकिन वहां सिर्फ एक या तो ही लोग नियुक्त हैं। पार्किंग सेल में भी यही स्थिति है। अतिक्रमण की टीम है और विधानसभावार प्रभारी भी नियुक्त है, लेकिन जोन को इसमें शामिल कर दिया है। सुबह की सफाई के साथ जोन की सफाई से जुड़ी शिकायतों का दूर कराने का जिम्मा भी जोन पर ही है। ऐसे में जोन और वार्ड का पूरा स्टैफ इन् अन्य कामों में लगा हुआ है।

अन्य कामों में जोड़ा, मूल काम नहीं हो रहा

स्थिति ये हैं कि संपत्तियों का हिसाब बनाने और उनकी दर निर्धारण करने के लिए नियुक्त लिपिक अतिक्रमण हटाने और होर्डिंग निकलवाने की टीम में शामिल हो रहा है। जोन व वार्ड के जिस कर्मचारी को अपने क्षेत्र में नए संपत्तिकर के खाते खोलकर वसूली करने सुबह से निकलना चाहिए या फिर नोटिस जारी करने चाहिए वह क्षेत्र की सीवेज और सफाई की स्थिति देखने निकल रहा है। पूरे मामले में हैरानी ये है कि जोन और वार्ड से जुड़े अफसरों के अधिनस्त न तो सफाई का एएचओ आता है न ही सिविल या पानी का इंजीनियर। ऐसे में यदि ये कहीं दिक्कत देख भी लेते हैं या फिर जोन में पानी और सफाई से जुड़ी शिकायत आती भी है तो जरूरी नहीं, इनके कहने पर एएचओ या दरगाह वह काम कर ही दें। निगम में इसके लिए अलग से व्यवस्था और पद बने हुए हैं और वे उसी क्रम में सुनवाई भी करते हैं।

जोन पर जिम्मा, लेकिन लिखित दखल नहीं, इसलिए व्यवस्था संचालन में दिक्कत

सफाई- इसके लिए स्वास्थ्य का अपर आयुक्त, उसके बाद उपायुक्त, जोन में सहायक स्वास्थ्य अधिकारी, स्वास्थ्य अधिकारी, स्वच्छता निरीक्षक और दरोगा है। कोई भी जोन के प्रति उत्तरदायी नहीं है, लेकिन शिकायत जोन में आती है।

पानी- इसके लिए जलकार्य शाखा अलग है। इसमें जलकार्य अपर आयुक्त, चीफ इंजीनियर, कार्यपालन यंत्री, जोन में सहायक यंत्री, उपयंत्री है। जोन कार्यालय से इनका कोई लेना देना नहीं है, जोन में आमजन की शिकायत पर सुनवाई की गारंटी नहीं है।

सीवेज- इसके लिए सीवेज प्रकोष्ठ है और एक प्रभारी बना रखा है। एक अपर आयुक्त को इसका जिम्मा दिया है। जोन में शिकायत आती है, लेकिन सीवेज प्रकोष्ठ इसके अधिन नहीं है, दिक्कत दूर नहीं होती। इंजीनियरिंग सेल- सिविल इंजीनियरिंग का विभाग अलग है। नगर यंत्री इसके इंचार्ज है, लेकिन लोग जोन में आते हैं। जलकार्य- ये भी अलग शाखा है और इसका सिस्टम अलग है। जोन की ये सुनवाई नहीं करते। सीधे दखल नहीं होने से ईई वाटर ववर्स जोन के प्रति उत्तरदायी नहीं। ऐसे में आमजन की शिकायत दूर नहीं हो पाती।

निगम ने नहीं जमा किया बिजली का बिल, इंद्रपुरी, सोनागिरी समेत 12 से अधिक कॉलोनियों में बती गुल

भोपाल। इंद्रपुरी, सोनागिरी समेत आसपास की 12 से अधिक कॉलोनियों में बीते करीब एक सप्ताह से अंधेरा है। यहां स्ट्रीट लाइट बंद हो गई है। दरअसल बिजली कंपनी ने बकाया जमा नहीं करने पर नगर निगम का यहां का स्ट्रीट लाइट का कनेक्ट शन काट दिया गया। रहवासी सीएम हेल्पलाइन से लेकर बीएमसी की हेल्पलाइन और निगम के संबंधित अफसरों को लगातार शिकायत कर रहे हैं, लेकिन उन्हें जल्द ही लाइट चालू करने का आधासन दिया जा रहा है। रहवासी सुशील श्रीवास्तव का कहना है कि पहली बार हुआ है जब स्ट्रीट लाइट इतने दिनों के लिए बंद हुई है। रहवासी अर्चना विश्वकर्मा का कहना है कि स्ट्रीट लाइट बंद रहने से पूरे क्षेत्र में शाम ढलते ही अंधेरा हो जाता है। बच्चों के साथ बड़े भी रात के समय में मोहल्ले में डरने लगे हैं। गौरतलब है कि बिजली कंपनी ने निगम पर करीब 40 करोड़ रुपए बिजली बिल बकाया निकाला है। कंपनी ने करीब एक पखवाड़ा पहले निगम के जोन व वार्ड कार्यालयों की बिजली काटकर बिल जमा करने का कहा था। निगम ने डेढ़ करोड़ रुपए के करीब जमा किया और समय मांग लिया।

बचान से पलट के जेजरीवाल अब कहा
दिल्ली में पीने का पानी खराब

हम तो केजरीवाल
पर भरोसा कर **गंदा पानी**
पीते रहे.. ?



और कोनन चेनाई 32 के स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर रहे। मानवादित्य ने पंजाब के जंगेश सिंह विर्क को 45-44 से हराकर पहली बार जूनियर खिताब जीत लिया। राजस्थान के विवान कपूर व 35 के स्कोर के साथ कांस्य पदक मिला। पंजाब की टीम सीनियर वर्ग का टीम स्वर्ण और राजस्थान की टीम ने जूनियर वर्ग का स्वर्ण जीता जिससे मानवजीत और मानवादित्य गोल्डन डबल पूरा किया।

न्यूज गैलरी

महाराष्ट्र के विकास को रफ्तार देगी नई सरकार : राकेश सिंह

भोपाल। श्री देवेन्द्र फड़नवीस और श्री अजीत पंवार के नेतृत्व वाली महाराष्ट्र की नई सरकार प्रदेश को स्थिरता प्रदान करेगी तथा राज्य के विकास को नई गति प्रदान करेगी। यह बात भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष एवं सांसद श्री राकेश सिंह ने महाराष्ट्र की नई सरकार को शुभकामनाएं देते हुए कही। प्रदेश अध्यक्ष श्री राकेश सिंह ने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री श्री फड़नवीस, उप मुख्यमंत्री श्री पंवार एवं महाराष्ट्र की जनता को नई सरकार के गठन पर बधाई दी है। उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी के नेतृत्व वाली केंद्र सरकार पर भरोसा जताते हुए महाराष्ट्र की जनता ने भाजपा के नेतृत्व वाले गठबंधन को जनादेश दिया था। भारतीय जनता पार्टी ने श्री अजीत पंवार के सहयोग से सरकार बनाकर उस जनादेश का सम्मान किया है। उन्होंने आशा जताई कि श्री देवेन्द्र फड़नवीस के नेतृत्व वाली नई सरकार महाराष्ट्र को विकास के अगले सोपान तक पहुंचाने के लिए निरंतर प्रयास करेगी।

सरकारी भर्ती : सबको लाभ- वर्दीधारी व छोटे पदों पर आयु में हो रही 5 साल की वृद्धि

भोपाल। मप्र सरकार वर्दीधारी और छोटे पदों पर भर्ती की अधिकतम आयु में बदलाव करने जा रही है। इससे पुलिस आरक्षक, सब-इंस्पेक्टर, जेल आरक्षक और वन विभाग आदि में भर्ती की अधिकतम आयु सीमा 33 वर्ष हो जाएगी। आरक्षित पदों पर 38 वर्ष तक के उम्मीदवार आवेदन कर सकेगे। सामान्य प्रशासन विभाग (जीएचडी) ने इसका प्रस्ताव तैयार कर लिया है। अब इसे कैबिनेट में रखा जाएगा। इससे पहले शिवराज सरकार ने 5 जून 2017 को आयु सीमा में बदलाव किया था। इसमें मध्यप्रदेश के मूल निवासी को 5 साल की छूट दी, लेकिन बाहरी उम्मीदवारों को इसका कोई लाभ नहीं दिया गया। अधिकतम आयु में इस दोहरापन का मामला हाईकोर्टतक पहुंचा। इस पर कोर्ट ने कहा कि सरकार मूल निवासी और बाहरी उम्मीदवारों की भर्ती आयु सीमा में अंतर नहीं कर सकती। पिछले दिनों सामान्य प्रशासन विभाग ने कोर्ट के इसी फैसले के आधार पर वर्दीधारी पदों की आयु पहले की तरह 28 वर्ष करने का प्रस्ताव तैयार किया। इस प्रस्ताव को मंत्री डॉ. गोविंद सिंह ने खारिज कर दिया। उन्होंने फाइनल पर लिखा कि भर्ती की अधिकतम आयु सीमा सामान्य वर्ग के लिए 33 और महिला सहित आरक्षित पदों के लिए 38 वर्ष की जाए। मंत्री के निर्देश के बाद विभाग ने कैबिनेट के लिए प्रस्ताव तैयार किया है। प्रदेश में अब भर्ती होने वाले सरकारी कर्मचारी और अधिकारी दो नहीं बल्कि तीन साल में स्थायी होंगे।

नगर निगम की महिला कर्मचारी ने लगाई फांसी

भोपाल। जहांगीराबाद इलाके की बापू कॉलोनी में नगर निगम की दैनिक वेतन भोगी महिला कर्मचारी ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। इधर, इसी कॉलोनी में रहने वाले नगर निगम के निलंबित दोगा ने बजरिया इलाके में अपने रिश्तेदार के घर पर फांसी लगाकर जान दे दी। पुलिस को दोनों के पास सुसाइड नोट नहीं मिला है। पुलिस के मुताबिक बापू कॉलोनी निवासी 37 वर्षीय नीतू टाक पति चंदन टाक नगर निगम में दैनिक वेतन भोगी कर्मचारी थी। नीतू और चंदन के दो बच्चे हैं। बड़ी बेटी 13 साल की है, जबकि छोटा बेटा 11 साल का है। पुलिस के मुताबिक शुक्रवार सुबह बच्चे स्कूल गए थे, जबकि चंदन काम पर। दोपहर करीब साढ़े बारह बजे चंदन घर लौटा तो दरवाजा अंदर से बंद था।

महाराष्ट्र सियासत: मध्यप्रदेश में सियासी गलियारों में हलचल शुरू शिवराज ने कहा- न खुदा ही मिला न विसाल-ए-सनम, न इधर के रहे ने उधर के, दिग्विजय बोले- सड़कों पर उतरें लोग

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। शनिवार सुबह महाराष्ट्र में हुए चौकाने वाले राजनीतिक घटनाक्रम के बाद भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) की सरकार बन गई। भाजपा के देवेन्द्र फडणवीस ने दोबारा मुख्यमंत्री पद की शपथ ले ली। एनसीपी नेता और शरद पवार के भतीजे अजित पवार को उपमुख्यमंत्री पद की शपथ दिलाई गई। महाराष्ट्र में सरकार बनने के बाद मध्य प्रदेश में सियासी गलियारों में हलचल शुरू हो गई है। मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान ने कहा कि महाराष्ट्र में स्वाभाविक सरकार बनी है। भारतीय जनता पार्टी सबसे बड़ी पार्टी बनी थी। 105 सीटें हमारे पास हैं। शिव सेना ने धोखा किया। लेकिन जो दूसरों के लिए गड्डा खोदता है उसमें वो खुद गिरता है। उनके हाल तो ये हो गए न खुदा ही मिला न विसाल-ए-सनम न इधर के हुए न उधर के हुए। ये स्थिर सरकार, विकास के लिए काम करने वाली सरकार है और देवेन्द्र फडणवीस जी के नेतृत्व में महाराष्ट्र में बीजेपी ने पहले भी बहुत शानदार का



किया है। वो सीएम बने हैं, स्थिर और विकास केन्द्रित सरकार देंगे, इसी में महाराष्ट्र का कल्याण है। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं मध्यप्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री दिग्विजय सिंह ने महाराष्ट्र में भारतीय जनता पार्टी की सरकार के गठन पर आज विरोध जताते हुए कहा कि शिवसेना, राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी और कांग्रेस को अपनी ताकत जमीन पर दिखाने के लिए सड़कों पर उतरना चाहिये। दिग्विजय सिंह ने अपने ट्वीट में लिखा 'शिवसेना, एनसीपी और कांग्रेस को अपनी ताकत जमीन पर दिखा कर सड़कों पर उतरना

चाहिये। देखते हैं मुंबई और महाराष्ट्र की जनता किस के साथ है। तीनों पार्टियों के लिये यह अस्तित्व का सवाल है। विशेष कर उद्धव और ठाकरे परिवार के लिये यह प्रतिष्ठ का प्रश्न है।' भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव कैलाश विजयवर्गीय ने ट्वीट में लिखा- फिर भाजपा, महाराष्ट्र में अंततः वहीं हुआ जो तय था। भाजपा कभी हार नहीं मानती और पीएम नरेंद्र मोदी और अमित शाह की रणनीति ने ये साबित भी कर दिया। मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस और उप-मुख्यमंत्री अजीत पवार को विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी।

किया कि आधी छेड़ साजी को धावे, आधी मिले न पूरी पावे। ना खुदा ही मिला ना विसाले सनम...। शकुनि मामा के कारण महाभारत में कौरव वंश का विनाश हुआ। अब लोग पूछ रहे हैं कि शिवसेना को समाप्त करने की सुपारी लेने वाला शकुनि शिवसेना के अंदर कौन है? उन्होंने यह भी लिखा है कि अमित शाह को राजनीति का चाणक्य यूं ही नहीं कहा जाता। जो जीता वही सिकंदर।

मध्यप्रदेश के भाजपा नेताओं ने फडणवीस को दी बधाई : देवेन्द्र फडणवीस के आज दोबारा महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री के रूप में तथा राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) नेता अजीत पवार के उप मुख्यमंत्री के तौर पर शपथ लेने पर मध्यप्रदेश के भारतीय जनता पार्टी नेताओं ने उन्हें बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। मध्यप्रदेश भाजपा के अध्यक्ष राकेश सिंह ने ट्वीट के जरिए फडणवीस और पवार को बधाई दी और कहा कि महाराष्ट्र में एक स्थिर एवं मजबूत सरकार का गठन हुआ है, जो महाराष्ट्र की जनता के कल्याण एवं विकास का मार्ग प्रशस्त करेगी।

एमपी में सरकार बनाने का मौका मिलेगा तो जरूर बनाएंगे

मध्यप्रदेश भाजपा के दिग्गज नेता एवं विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव का बयान...

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। मध्यप्रदेश के नेता प्रतिपक्ष गोपाल भार्गव ने महाराष्ट्र में भाजपा की सरकार बनने और वहां चले घटनाक्रम पर कहा कि मध्यप्रदेश में भी हमें सरकार बनाने का मौका मिलेगा तो जरूर बनाएंगे। गोपाल भार्गव महाराष्ट्र के मुद्दे पर एक लोकल चैनल से बात कर रहे थे। महाराष्ट्र में विधायकों की खरीद-फरोक और तोड़फोड़ की राजनीति से डरी कांग्रेस अपने 44 विधायकों को मध्यप्रदेश में कुछ दिनों से लिए शिफ्ट कर रही है। इस पर गोपाल भार्गव ने कहा कि मध्यप्रदेश में महाराष्ट्र के विधायकों का स्वागत है।

उन्होंने कहा कि मध्यप्रदेश में टूरिज्म के कई स्पॉट हैं, उन्हें घूमने जरूर आना चाहिए। गौरतलब है कि मध्यप्रदेश में पिछले कुछ दिनों से कई बार भाजपा की ओर से दावे किए जाते रहे हैं कि हम मध्यप्रदेश में फिर से सरकार बना सकते हैं, लेकिन उसके पास बहुमत का पूरा आंकड़ा नहीं है। जबकि मध्यप्रदेश में फिलहाल कमलनाथ सरकार बहुमत में पहुंच गई है। हाल ही में भाजपा के पर्वट विधायक प्रहलाद लोधी को एक मामले में सजा होने पर उनकी सदस्यता निलंबित कर दी गई। इस कारण भी भाजपा की विधायक संख्या 108 हो गई, जबकि बहुमत के आंकड़े के लिए 116 विधायकों की आवश्यकता है। कांग्रेस ने बसपा और निर्दलीयों के साथ मिलकर बहुमत का आंकड़ा पूरा कर लिया है।

केंद्र से आया जवाब... मध्य प्रदेश के पालपुर कुनो पार्क को दिए जाएंगे गुजरात के शेर

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल। गुजरात के गिर अभयारण्य से मध्य प्रदेश के पालपुर कुनो नेशनल पार्क में एशियाटिक लॉयन (बम्बूर शेर) की शिफ्टिंग को लेकर केंद्र सरकार ने पहली बार मध्य प्रदेश के वनमंत्री उमंग सिंघार को पत्र का जवाब दिया है। केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री प्रकाश जावडेकर ने साफ लिखा है कि विभागीय स्तर पर गठित विशेषज्ञ समिति की रिपोर्ट के आधार पर मध्य प्रदेश में शेरों की शिफ्टिंग की जाएगी। उन्होंने लिखा है कि इससे पहले राज्य स्तर पर गठित समिति के सुझावों को भी देखा जाएगा। वनमंत्री सिंघार ने सितंबर 2019 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखकर गुजरात से शेर दिलाने का अनुरोध किया था। मंत्री उमंग सिंघार ने सभी तर्कों के



साथ अपनी बात रखी थी। इस पत्र का जवाब केंद्रीय वनमंत्री जावडेकर ने दिया है। उन्होंने लिखा है कि सुप्रीम कोर्ट के आदेश के पालन में वन मंत्रालय ने एक विशेषज्ञ समिति गठित की है। साथ ही गुजरात और मध्य प्रदेश शासन ने भी अपने-अपने स्तर पर चीफ वाइल्ड लाइफ वॉर्डन की अध्यक्षता में स्टेट स्पेसिफिक एम्पावर्ड कमेटी का गठन किया है। मंत्री जावडेकर ने कहा कि दोनों राज्यों की समितियों द्वारा शेरों की सुरक्षा, देखभाल, विस्थापन

प्रक्रिया में गाइड लाइन, हेबोटेट के मूल्यांकन को लेकर परस्पर चर्चा के बाद विस्थापन किया जाएगा। 15 अप्रैल 2013 को मामले से जुड़ी याचिका की सुनवाई करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने गुजरात और केंद्र सरकार को छह माह में शेरों को शिफ्ट करने के निर्देश दिए थे, लेकिन इंटरनेशनल यूनियन फॉर कंजर्वेशन ऑफ नैचर की गाइड लाइन के प्रावधानों की पूर्ति नहीं होने का हवाला देकर गुजरात सरकार शेर देने को तैयार नहीं है।

बैतूल कॉलेज में दीमक खा गई 1 साल में 2 हजार किताबें

लाइब्रेरी में कवाड़ की तरह बोरियाँ में रखी हुई थी किताबें

किताबों की कीमत सात से आठ लाख रुपये

नवप्रदेश संवाददाता

बैतूल । जयवंती हाक्सर कॉलेज के अधूरे भवन में संचालित लाइब्रेरी में कवाड़ की तरह बोरियों में किताबें रखने के कारण एक साल में 2 हजार से ज्यादा किताबों को दीमक चट कर गई है। इनकी



कीमत करीब 7-8 लाख रुपए है। यह गलती कॉलेज प्रबंधन भी मान रहा है। लाइब्रेरी प्रभारी विराजवर्धन पांडे के अनुसार अब इनमें से 162 किताबों को जलाकर नष्ट करने का प्रस्ताव कॉलेज प्रबंधन ने लिया है। साथ ही अधूरे भवन निर्माण को पूरा करने बजट के लिए कॉलेज प्रबंधन उच्च शिक्षा विभाग को

रिमाइंडर भेजेगा। दैनिक भास्कर ने शुक्रवार को यह खबर प्रकाशित की थी। गौरतलब है कि जेएच कॉलेज में लाइब्रेरी भवन का कार्य पूर्ण नहीं होने से किताबों को बोरियों में बंद कर रखा है।

जेएच कॉलेज में एक साल में 2 हजार किताबों दीमकों के द्वारा खाना लापरवाही है। इस मामले की जांच कराकर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी। लाइब्रेरी के 72 लाख रुपए जारी नहीं होने के संबंध में जानकारी मांगी गई है।

- डॉ. धीरेंद्र शुक्ल, ओएसडी, उच्च शिक्षा विभाग

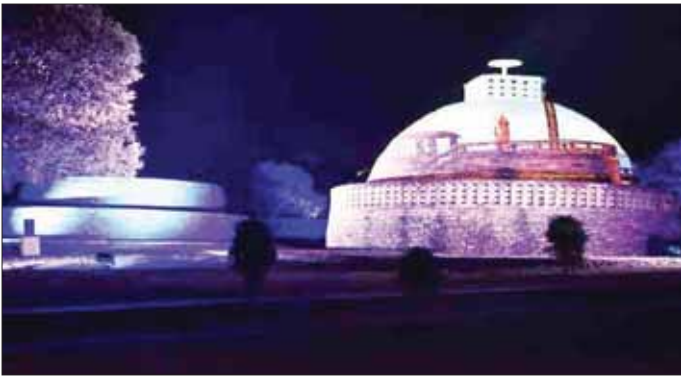
महाबोधि महोत्सव

बौद्ध भिक्षु सारिपुत्र और महामोदगलायन के अस्थि कलश पूजन हुआ

सांची में दो दिवसीय महाबोधि महोत्सव का शुभारंभ

नवप्रदेश संवाददाता

रायसेन/विदिशा। शनिवार सुबह सांची में दो दिवसीय महाबोधि महोत्सव का शुभारंभ हुआ। इस मौके पर श्रीलंका से आए बौद्ध भिक्षु और केंद्रीय मंत्री प्रहलाद पटेल मौजूद थ। सुबह प्रभात फेरी निकाली गई इसके बाद बौद्ध भिक्षु सारिपुत्र और महामोदगलायन के अस्थि कलश का पूजन किया गया। दोनों अस्थिकलशों को आम लोगों के दर्शन के लिए रखा गया है। इस महोत्सव की शुरुआत वर्ष 1952 में नवंबर के अंतिम



रविवार को सांची के बौद्ध स्तूप परिसर

स्थित चैत्यगिरि विहार मंदिर के लोकार्पण

समारोह के रूप में हुई थी, जिसमें तत्कालीन प्रधान मंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू शामिल हुए थे। तभी से हर साल नवंबर के अंतिम रविवार को इस महोत्सव मनाने की परंपरा चली आ रही है। इस महोत्सव में देश के पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के अलावा बाद के वर्षों में देश की कई शक्तियुतें शामिल हो चुकी हैं, जिनमें तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद भी शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने भी एक बार इस महोत्सव में आकर अस्थि कलश की पूजा अर्चना की थी। यातायात व्यवस्था को लेकर

सांची में दो दिनों तक भारी वाहनों को प्रवेश रोक दिया गया है। वहीं विदिशा और भोपाल के बीच चलने वाले मध्यम नवंबर के अंतिम रविवार को इस महोत्सव मनाने की परंपरा चली आ रही है। इस महोत्सव में देश के पूर्व प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू के अलावा बाद के वर्षों में देश की कई शक्तियुतें शामिल हो चुकी हैं, जिनमें तत्कालीन राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद भी शामिल हैं। पूर्व राष्ट्रपति राजेंद्र प्रसाद ने भी एक बार इस महोत्सव में आकर अस्थि कलश की पूजा अर्चना की थी। यातायात व्यवस्था को लेकर

चैत्यगिरि विहार मंदिर की विशेष सजावट विदेशी मेहमानों द्वारा की गई है। वियतनाम से बतौर बौद्ध अनुयायी के रूप में महानोधि महोत्सव में आस्था और भक्ति भाव के साथ शामिल होने के

लिए आए हैं। इसके अलावा वियतनाम, सिंगापुर, थैलैंड, जापान, श्रीलंका, म्यांमार, भूटान, वर्मा सहित कई अन्य देशों से सैकड़ों बौद्ध अनुयायी औ पर्यटक शामिल होंगे। इनमें वियतनाम से 150 बौद्ध अनुयायियों सहित, थाइलैंड, सिंगापोर, जापान और श्रीलंका का दल आ चुका है। पर्यटन विभाग ने सांची में जगह-जगह सूचना पटल श्रीलंकाई भाषा में लगाए जा रहे हैं, जिससे कि सांची बौद्ध स्तूप की जानकारी श्रीलंका के बौद्ध अनुयायियों को मिल सके।

भोपाल से सवा घंटे में दिल्ली और मुंबई पहुंचेगी फल-सब्जी-दवाएं

नवप्रदेश संवाददाता

भोपाल । राजाभोज एयरपोर्ट की पुरानी टर्मिनल बिल्डिंग में बना कार्गो कॉम्प्लेक्स 15 दिन में शुरू हो जाएगा। इसके बाद राजधानी और आसपास के जिलों में होने वाली फल-सब्जी और मसालों को सीधे राजाभोज एयरपोर्ट से दिल्ली, मुंबई, रायपुर, पुणे जैसे शहरों में कम समय में भेजा जा सकेगा। शुक्रवार को ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन (सिक्वोरिटी) की टीम राजाभोज एयरपोर्ट की पुरानी टर्मिनल बिल्डिंग में बनाए जा रहे कार्गो कॉम्प्लेक्स की सिक्वोरिटी व्यवस्था की जांच करने पहुंची। इस दौरान ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन के असिस्टेंट डायरेक्टर नीतू कुमार ने बताया कि 27 पैरामीटर पर एयरपोर्ट सुरक्षा संबंधी जांच की गई है, इसकी रिपोर्ट ब्यूरो ऑफ सिविल एविएशन के मुख्यालय को भेजी जाएगी।

पांचों वक्त के नमाजी हैं फारुख, 35 साल से कर रहे रामायण और गीता पर प्रवचन

फारुख रामायणी जहां भी रामकथा करते हैं वहां हर रोज सैकड़ों लोग पहुंचते

नवप्रदेश संवाददाता

राजगढ़। जिले की नरसिंहगढ़ तहसील में रहने वाले फारुख रामायणी पिछले 35 साल से संगीतमय रामकथा करते आ रहे हैं। वे अब तक देश के विभिन्न हिस्सों में 300 से अधिक स्थानों पर रामकथा कर चुके हैं। पांचों वक्त के नमाजी फारुख कहते हैं कि राम तो उनके रोम रोम में बसते हैं। वे रामकथा रुपए कमाने के लिए नहीं बल्कि लोगों को जोड़ने के लिए करते हैं। मुस्लिम परिवार में जन्मे फारुख खान रामायण में कुछ ऐसे रमे की फारुख रामायणी बन गए। पिछले 35 सालों से राम कथा कर रहे हैं। वह भी कुछ इस अंदाज में कि सुनने के लिए हजारों की भीड़ उमड़ आती है। हर दिन घंटों



रामायण पाठ करते हैं। वेद, गीता समेत तमाम ग्रंथों पर धाराप्रवाह बोलते हैं, लेकिन कभी भी अपनी पांच बार की नमाज से नहीं चुकते। हालांकि, एक मुस्लिम का रामायण पाठ पढ़ना हर किसी को नहीं पचा। कुछ लोगों ने विरोध भी किया। लेकिन फारुख रामायणी अपने कर्म को कौम से उबर मानते हुए आम लोगों को धर्म का पाठ पढ़ाते रहे। इसी का नतीजा है कि अब तक देश के बीस से अधिक राज्यों में कि सुनने के पिरसर में बनाई गई है।

ब्राह्मण उनके शिष्य हैं। मध्यप्रदेश के नरसिंहगढ़ जिले के छोटे से गांव गुनियारी में अहमद खान के यहां जन्मे फारुख खान की उम्र मात्र छह वर्ष की थी जब रामायण और गीता जैसे धर्म ग्रंथों की ओर उनका झुकाव बढ़ा। गांव में होने वाली राम कथाओं में वे घंटों बैठते लगे। गायत्री परिवार के किसी कार्यक्रम में गायत्री पीठ के संस्थापक सदस्य आचार्य श्री राम शर्मा आचार्य का सम्मान देखकर ठान लिया कि जीवन में ऐसा ही कुछ बनना है।